

पिप और हरे मटर

CooCubby · हिन्दी · Pip and the Green Peas



लंच तैयार है!

“लंच तैयार है!” मामा बेयर ने आवाज़ दी। कब्बी की प्लेट में चावल, दाल और हरे मटर का एक छोटा-सा ढेर था।



हरे वाले नहीं।

कब्बी ने मटर प्लेट के किनारे कर दिए। “हरे वाले नहीं,” उसने कहा। “ये बहुत गोल हैं।”



पिप कूदता हुआ आया।

पिप खरगोश कूदता हुआ आया। उसने गाजर जैसे रंग का स्कार्फ पहना था। “मटर? मटर वाला गेम तो मेरा फ़ेवरेट है!”



एक बाइट वाला गेम।

“गेम ऐसे खेलते हैं,” पिप ने कहा। “बस एक बाइट। फिर बोलो—यम्म या हम्म। बस!”



पहले पिप की बारी।

पिप ने एक मटर खाया। “यम्म!” फिर एक और खाया। “यम्म, यम्म!” कब्बी खिलखिलाने लगा।



कब्बी की बारी। एक बाइट।

कब्बी ने एक मटर उठाया। उसे देखा। फिर मुँह में डाल लिया। चब-चब, चब-चब।



हम्म।

“हम्म,” कब्बी ने कहा। “ये तो पिचपिचा है।” “हम्म भी बोल सकते हो,” मामा बेयर ने कहा। “तुमने चखकर तो देखा।”



चावल, दाल और एक मटर।

कब्बी ने अपने चावल और दाल खाए। फिर बिना किसी के कहे, एक मटर और खा लिया। “यम्म,” उसने धीरे से कहा।



पेट भरा, प्लेट साफ़।

उसका पेट भर गया था, गोल-मटोल हो गया था। मामा बेयर ने उसके सिर पर एक पप्पी दी। पिप खुश होकर उछल पड़ा।



कल शायद दो मटर।

“कल,” कब्बी ने कहा, “शायद दो मटर खाऊँगा।” “शायद,” मामा बेयर ने कहा। और क्या पता, उसने खाए भी हों!



CooCubby

Free picture stories for little ones, in 8 Indian languages

coocubby.com